नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव पास बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

पास बुक्स में नं. 1

संजीव®

पास बुक्स

सामाजिक विज्ञान-X

(1) भारत और समकालीन विश्व-2 (2) समकालीन भारत-2
(3) लोकतान्त्रिक राजनीति-2 (4) आर्थिक विकास की समझ

(कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड मॉडल पेपर 2022-23 एवं बोर्ड पेपर 2023 के प्रश्नों का अन्दर समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2024

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 280/-

प्रकाशक :
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
जयपुर-3
email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
website : www.sanjivprakashan.com

© प्रकाशकाधीन

मूल्य : ₹ 280.00

लेजर टाइपसैटिंग :
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर
मेगा ग्राफिक्स, जयपुर

मुद्रक :
मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर
★ ★ ★ ★

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—
  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

भारत और समकालीन विश्व-2 (इतिहास)

खण्ड-I : घटनाएँ और प्रक्रियाएँ

1. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय 1-27
2. भारत में राष्ट्रवाद 27-54

खण्ड-II : जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज

3. भूमण्डलीकृत विश्व का बनना 54-79
4. औद्योगीकरण का युग 79-97

खण्ड-III : रोजाना की जिन्दगी, संस्कृति और राजनीति

5. मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया 97-115

समकालीन भारत-2 (भूगोल)

1. संसाधन एवं विकास 116-133
2. वन एवं वन्य जीव संसाधन 134-142
3. जल संसाधन 143-158
4. कृषि 158-173
5. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन 173-194
6. विनिर्माण उद्योग 194-211
7. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ 211-227

लोकतान्त्रिक राजनीति-2 (राजनीति विज्ञान)

1. सत्ता की साझेदारी 228-241
2. संघवाद 242-259
3. जाति, धर्म और लैंगिक मसले 259-273
4. राजनीतिक दल 274-290
5. लोकतन्त्र के परिणाम 290-301

आर्थिक विकास की समझ (अर्थशास्त्र)

1. विकास	302–318
2. भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	318–342
3. मुद्रा और साख	342–361
4. वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	361–379
5. उपभोक्ता अधिकार	379–394
मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न	**395–408**

माध्यमिक परीक्षा, 2023

सामाजिक विज्ञान

(SOCIAL SCIENCE)

समय : 3 घण्टे : 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
7. प्रश्न संख्या 23 मानचित्र कार्य से संबंधित है और 4 अंक का है।
8. प्रश्न संख्या 21 से 23 में आन्तरिक विकल्प हैं।

खण्ड-अ (SECTION-A)

बहुविकल्पी प्रश्न (Multiple Choice Questions) :

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड कब हुआ था? 1
(अ) 9 अप्रैल, 1919 (ब) 10 अप्रैल, 1919 (स) 13 अप्रैल, 1919 (द) 19 अप्रैल, 1919

(ii) महात्मा गाँधी ने कौनसे गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया था? 1
(अ) प्रथम (ब) द्वितीय (स) तृतीय (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) प्रसिद्ध ब्रेटन वुड्स नामक स्थान किस देश में है? 1
(अ) अमेरिका (ब) इंग्लैण्ड (स) द. अफ्रीका (द) चीन

(iv) निम्न में से किसे एक नये युग का पहला प्रतीक कहा गया? 1
(अ) ऊन (ब) कपास (स) रेशम (द) जूट

(v) पटसन व पटसन निर्मित सामान का सबसे बड़ा उत्पादक देश कौनसा है? 1
(अ) भारत (ब) बांग्लादेश (स) चीन (द) श्रीलंका

(vi) किस देश में सत्ता का बँटवारा सामाजिक समूहों में होने पर 'सामुदायिक सरकार' दिखाई देती है? 1
(अ) श्रीलंका (ब) भारत (स) बेल्जियम (द) ब्रिटेन

(vii) एक विचारधारा जो अधिकारों एवं अवसरों के मामले में स्त्री व पुरुष को बराबर मानती है, वह है— 1
(अ) साम्प्रदायिक (ब) नारीवादी (स) तानाशाही (द) जातिवादी

(viii) 'सेवन पार्टी अलायंस' का सम्बन्ध किस देश से रहा है? 1
(अ) श्रीलंका (ब) नेपाल (स) भारत (द) पाकिस्तान

(ix) बाजार में उपभोक्ता के लिए नियमों और विनियमों की आवश्यकता होती है— 1
(अ) उपभोक्ता की सुरक्षा के लिए (ब) उपभोक्ता के शोषण के लिए
(स) उपभोक्ता के आकर्षण के लिए (द) उपभोक्ता के अनुचित व्यवहार के लिए

(x) भारत में इसके द्वारा करेंसी नोट जारी किए जाते हैं— 1
(अ) बैंक ऑफ इण्डिया (ब) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
(स) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (द) यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया

(xi) कौनसा प्रगलन उद्योग भारत में दूसरा सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण धातु शोधन उद्योग है? 1
(अ) लौह अयस्क प्रगलन (ब) एल्यूमिनियम प्रगलन (स) तांबा प्रगलन (द) सीसा प्रगलन

(xii) निम्न में से कौनसी कम्पनी एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियन्त्रण अथवा स्वामित्व रखती है? 1
(अ) स्थानीय कम्पनी (ब) सरकारी कम्पनी (स) राष्ट्रीय कम्पनी (द) बहुराष्ट्रीय कम्पनी

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(i) प्रथम महायुद्ध मुख्य रूप से.....महाद्वीप में ही लड़ा गया। 1

(ii) सुन्दर लेखन की कला.....कहलाती है। 1

(iii) सन्.....में श्रीलंका स्वतन्त्र राष्ट्र बना। 1

(iv) यूएनडीपी द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट देशों की तुलना शैक्षिक स्तर, ...और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर करती है। 1

(v) .....प्रणाली में मुद्रा का उपयोग किये बिना वस्तुओं का विनिमय होता है। 1

(vi) 24 दिसम्बर, 1986 में भारतीय संसद में.....अधिनियम पारित किया गया। 1

3. **अतिलघूत्तरात्मक (प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए) :**

Very Short Answer Type Questions (Write the answers of the questions in one word or one line) :

(i) 1860 के दशक में किस देश के गृहयुद्ध के कारण भारत से कच्चे कपास के निर्यात में वृद्धि हुई थी? 1
Which country's civil war led to an increase in exports of raw cotton from India in the 1860's?

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक को अन्य किस नाम से जाना जाता है? 1
By what other name is the International Bank for Reconstruction and Development known?

(iii) जोहानिस गुटेन्बर्ग ने किस यन्त्र का आविष्कार किया था? 1
Which machine was invented by Johannes Gutenberg?

(iv) दीनदयाल पत्तन कौनसे राज्य में स्थित है? 1
In which state the Deendayal port is located?

(v) जहाँ भूमि पर जनसंख्या का दबाव अधिक होता है वहाँ पर की जाने वाली कृषि का नाम बताइए। 1
Mention the name of the farming which is practised in areas of high population pressure.

(vi) आपके अनुसार सिंचाई ने कई क्षेत्रों में फसल प्रारूप कैसे परिवर्तित कर दिया है? संक्षेप में बताइए। 1
According to you, how irrigation has changed the cropping pattern of many regions? Mention in brief.

(vii) 'समरूप समाज' किन देशों में पाया जाता है? कोई दो नाम बताइये। 1
Name any two countries in which 'Homogenous Society' is found.

(viii) सामाजिक विभाजन अधिकांशत: किस पर आधारित होता है? 1
Social division is mostly based on what?

(ix) 'बोलिविया के जलयुद्ध' का नेतृत्व किस संस्था ने किया था? 1
Which organization led the 'Bolivia Water War'?

(x) प्राथमिक क्षेत्रक से आप क्या समझते हैं? 1
What do you understand by primary sector?

(xi) ग्रामीण क्षेत्र में असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों का संरक्षण कैसे हो सकता है? कोई एक उदाहरण दीजिए। 1
How can unorganized sector workers be protected in rural areas? Give any one example.

(xii) एक भूमिहीन ग्रामीण मजदूर के विकास के किन्हीं दो लक्ष्यों का उल्लेख कीजिए। ½+½=1
Mention any two goals of development of a landless rural labourer.

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–प्रश्न सं. 04 से 16 के उत्तर लिखिए (शब्द सीमा 50 शब्द)

Short Answer Type Questions—Write the answers from Q. No. 04 to 16

(Words limit : 50 words)

4. वियना सन्धि की कोई दो विशेषताएँ बताइये। 1+1=2
Mention any two features of Treaty of Vienna.

5. बाजार में श्रम की बहुतायत से मजदूरों की जिन्दगी किस प्रकार प्रभावित हुई? 2
How was the life of the workers affected by the abundance of labour in the market?

6. 'कर्तन-दहन' कृषि क्या है? 2
What is a 'Slash and Burn' agriculture?

7. वन्य जीवों की सुभेद्य जातियों पर टिप्पणी लिखिए। 2
Write a note on vulnerable species of wild life.

8. ''समय की माँग है कि हम अपने जल संसाधनों का संरक्षण और प्रबन्धन करें'' स्पष्ट कीजिए। 2
"The need of the hour is to conserve and manage our water resources." Explain.

9. रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन की बढ़ती महत्ता के दो कारण लिखिए। 1+1=2
Write two reasons of the growing importance of road transport vis-a-vis rail transport.

10. राजनीतिक दल के कोई दो कार्यों की विवेचना कीजिये। 2
Discuss any two functions of political party.

11. आप लोकतन्त्र को उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैध शासन मानते हैं। क्यों? संक्षेप में बताइये। 2
You consider democracy to be accountable, responsive and legitimate government. Briefly explain. Why?

12. लोकतन्त्र को पुनर्परिभाषित करने के लिये इसमें जोड़ने के कोई दो बिन्दु बताइये। 2
Mention any two points to be added to redefine democracy.

13. नवीकरणीय एवं गैर-नवीकरणीय संसाधनों को परिभाषित कीजिए। 1+1=2
Define renewable and non-renewable resources.

14. सार्वजनिक और निजी क्षेत्रकों में विभेद कीजिए। 1+1=2
Differentiate between public and private sector.

15. बैंकों की ऋण सम्बन्धी गतिविधियों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2
Briefly explain the lending activities of banks.

16. भारत में उपभोक्ता आन्दोलन को प्रभावी बनाने के किन्हीं दो कारकों का वर्णन कीजिए। 1+1=2
Describe any two factors which made the consumer movement effective in India.

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घउत्तरीय प्रश्न– प्रश्न 17 से 20 के उत्तर लिखिये (शब्द सीमा 100 शब्द) :

Long Answer Type Questions – Write the answers of the questions 17 to 20

(Word Limit : 100 words)

17. इटली के एकीकरण का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 3
Briefly describe the unification of Italy.

18. यदि आपको संसाधन नियोजन करना है तो आप कौन-कौनसे सोपानों का प्रयोग करेंगे? 3
If you have to do resource planning, which steps would you use?

19. भारत में महिलाओं को राजनीति में प्रतिनिधित्व देने की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त कीजिये। 3
Express your views on the status of representation of women in politics in India.

20. 'विदेश व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में सहायक होता है।' इस कथन के पक्ष में अपने तीन तर्क दीजिए। 1×3=3

'Foreign trade helps in the integration of the markets of different countries'. Give your three arguments in favour of this statement.

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न–प्रश्न 21 से 22 के उत्तर लिखिये (शब्द सीमा 250 शब्द) :

Essay Type Questions – Write the answers from Q. No. 21 to 22

(Word Limit : 250 Words) :

21. सविनय अवज्ञा आन्दोलन का सविस्तार वर्णन कीजिए। 4

Describe in detail the Civil Disobedience Movement.

अथवा/OR

'राष्ट्रवाद का विचार भारतीय लोक कथाओं को पुनर्जीवित करने के आन्दोलन से भी मजबूत हुआ।' कथन के पक्ष में अपने तर्क दीजिए। 4

'Ideas of nationalism also developed through a movement to revive Indian Folklore.' Give your arguments in favour of the statement.

22. संघवाद का अर्थ बताते हुए संघीय व्यवस्था के गठन के तरीकों को सोदाहरण समझाइये। 4

Describing the meaning of Federalism and explain the methods of formation of Federal system with examples.

अथवा/OR

भारत में संघीय व्यवस्था के विविध स्तर बताते हुए इनमें शक्ति वितरण की सूचियों की विवेचना कीजिये। 4

Explaining the different levels of Federal System in India, discuss the lists of power distribution in them.

23. प्रश्न का उत्तर दिये गये मानचित्र में दीजिए :

Write the answer in the given map—

दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित लौह अयस्क खानों को अंकित कीजिए— 1+1+1+1=4

(अ) कुद्रेमुख (ब) रत्नागिरी (स) चित्रदुर्ग (द) गोआ

Mark the following Iron ore mines in the given outline map of India—

(A) Kudremukh (B) Ratnagiri (C) Chitradurga (D) Goa

अथवा/OR

दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित लौह अयस्क खानों को अंकित कीजिए— 1+1+1+1=4

(अ) बल्लारिं (ब) चिक्कमंगलुरू (स) बेलाडिला (द) मयूरभंज

Mark the following Iron ore mines in the given outline map of India—

(A) Ballari (B) Chikkamagaluru (C) Bailadila (D) Mayurbhanj

❐❐❐

सामाजिक विज्ञान-कक्षा-X

भारत और समकालीन विश्व-2 (इतिहास)

खण्ड-I : घटनाएँ और प्रक्रियाएँ

1. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

पाठ-सार

1. 1789 ई. की फ्रांसीसी क्रान्ति और राष्ट्र का विचार—राष्ट्रवाद की प्रथम स्पष्ट अभिव्यक्ति 1789 ई. की फ्रांस की क्रान्ति के साथ हुई। इस क्रान्ति के फलस्वरूप प्रभुसत्ता राजतन्त्र से निकल कर फ्रांसीसी नागरिकों में केन्द्रित हो गई। इस क्रान्ति में फ्रांसीसी क्रान्तिकारियों ने ऐसे अनेक कदम उठाए जिनसे फ्रांसीसी लोगों में एक सामूहिक पहचान की भावना उत्पन्न हो सकती थी; जैसे पितृभूमि, नागरिक, फ्रांसीसी तिरंगा झंडा, इस्टेट जेनरल का नाम बदलकर नेशनल असेंबली करना, शहीदों का गुणगान आदि।

1.1 फ्रांस की सेनाओं का अन्य राष्ट्रों में प्रवेश—फ्रांसीसी क्रान्तिकारियों ने यह भी घोषणा की कि फ्रांस यूरोप के अन्य लोगों को राष्ट्रों में गठित होने में मदद देगा। जब फ्रांस की घटनाओं की खबर यूरोप के विभिन्न शहरों में पहुँची तो छात्र तथा शिक्षित मध्य वर्गों के अन्य सदस्य जैकोबिन क्लबों की स्थापना करने लगे। उनकी गतिविधियों और अभियानों ने उन फ्रेंच सेनाओं के लिए रास्ता तैयार किया जो 1790 के दशक में हालैंड, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड और इटली के बड़े इलाके में घुसीं और राष्ट्रवाद के विचार को भी विदेशों में ले जाने लगीं।

1.2 नेपोलियन बोनापार्ट—नेपोलियन बोनापार्ट ने अपने नियंत्रण वाले फ्रांस के विशाल क्षेत्र में राजतंत्र को वापस लाकर प्रजातंत्र को नष्ट किया, लेकिन प्रशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी सिद्धान्तों का समावेश किया। उसने 1804 ई. में 'नागरिक संहिता' का निर्माण करवाया, जो 'नेपोलियन संहिता' के नाम से प्रसिद्ध है। इस संहिता ने कानून के समक्ष समानता तथा सम्पत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया। इस संहिता को फ्रांसीसी नियन्त्रण के अधीन क्षेत्रों में भी लागू किया गया। लेकिन इन क्षेत्रों के स्थानीय लोगों ने पाया कि ये नयी प्रशासनिक व्यवस्थाएँ राजनीतिक स्वतंत्रता के अनुरूप नहीं थीं। बढ़े हुए कर, सेंसरशिप और बाकी यूरोप को जीतने के लिए फ्रेंच सेना में जबरन भर्ती से हो रहे नुकसान प्रशासनिक परिवर्तनों से मिले फायदों से कहीं ज्यादा नजर आने लगे।

2. यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण—मध्य 18वीं सदी में आज के जर्मनी, इटली और स्विट्जरलैण्ड जैसे राष्ट्र-राज्य राजशाहियों, डचियों और कैंटनों में बँटे थे, जिनके शासकों के स्वायत्त क्षेत्र थे। पूर्वी और मध्य यूरोप निरंकुश राजतंत्रों के अधीन थे और इन इलाकों में तरह-तरह के लोग रहते थे, उनकी अलग-अलग भाषाएँ थीं तथा वे विभिन्न जातीय समूहों के सदस्य थे। इन तरह-तरह के समूहों को आपस में बाँधने वाला तत्त्व, केवल सम्राट के प्रति सबकी निष्ठा थी।

2.1 कुलीन वर्ग और नया मध्य वर्ग—यूरोपीय महाद्वीप में कुलीन वर्ग सर्वाधिक शक्तिशाली वर्ग था, लेकिन यह एक छोटा समूह था। कुलीन वर्ग के लोग ग्रामीण इलाकों में जायदाद और शहरों में हवेलियों के मालिक थे। राजनीतिक कार्यों व उच्च वर्गों के बीच वे फ्रेंच भाषा का प्रयोग करते थे। जनसंख्या में अधिकांश लोग कृषक थे। औद्योगिक उत्पादन एवं व्यापार में वृद्धि होने से विभिन्न शहरों में नये सामाजिक वर्गों का जन्म हुआ। ये थे—श्रमिक वर्ग और मध्य वर्ग। कुलीन वर्ग को प्राप्त विशेषाधिकारों की समाप्ति के बाद शिक्षित और उदारवादी मध्य वर्गों के बीच राष्ट्रीय एकता के विचारों का प्रचार-प्रसार हुआ।

2.2 उदारवादी राष्ट्रवाद के मायने—यूरोप के नवीन मध्य वर्ग के लिए उदारवाद का अर्थ था—लोगों के लिए स्वतंत्रता और कानून के समक्ष सभी की समानता। फ्रांसीसी क्रान्ति के पश्चात् से ही उदारवादी वर्ग राजनीतिक क्षेत्र में संविधान, संसदीय लोकतंत्र, प्रतिनिधि सरकार का समर्थक था लेकिन इस उदारवाद में मत देने और चुने जाने का अधिकार केवल सम्पत्तिवान पुरुषों को ही हासिल था। सम्पत्तिविहीन पुरुष और सभी महिलाओं को राजनीतिक अधिकारों से वंचित रखा गया था। केवल थोड़े समय के लिए नैकोबिन शासन के समय सभी वयस्क पुरुषों को मताधिकार प्राप्त था। लेकिन

नेपोलियन संहिता पुनः सीमित मताधिकार वापस लायी। आर्थिक क्षेत्र में उदारवाद बाजारों की मुक्ति, व्यापार पर राज्य के नियंत्रणों की समाप्ति के पक्ष में था। 1834 में प्रशा की पहल पर एक शुल्क संघ जॉलरेवाइन स्थापित किया गया जिसने शुल्क अवरोधों को समाप्त कर दिया, मुद्राओं की संख्या 30 से घटाकर दो कर दी गई, रेलवे ने इसमें गतिशीलता बढ़ाई। इस प्रकार आर्थिक राष्ट्रवाद की लहर ने व्यापक राष्ट्रवादी भावनाओं को मजबूत बनाया।

2.3 1815 के बाद एक नया रूढ़िवाद—1815 में नेपोलियन की हार के बाद वियना सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने 1815 की वियना-सन्धि तैयार की जिसका उद्देश्य उन समस्त परिवर्तनों को समाप्त करना था जो नेपोलियन के युद्धों के दौरान हुए थे। इस सम्मेलन ने यूरोप में एक नई रूढ़िवादी व्यवस्था स्थापित कर दी, जिसमें पारम्परिक संस्थाओं-चर्च, सामाजिक भेदभाव, राजतंत्र और परिवार को बनाये रखा गया। वियना संधि के तहत बूर्बो राजवंश को शासन करने का पुनः अधिकार दे दिया गया। इस काल में स्थापित रूढ़िवादी शासन व्यवस्थाएँ निरंकुश थीं। इस नयी रूढ़िवादी व्यवस्था के आलोचक उदारवादी राष्ट्रवादी लोग प्रेस की स्वतंत्रता चाहते थे।

2.4 क्रांतिकारी—1815 के बाद के वर्षों में दमन के भय ने अनेक उदारवादियों-राष्ट्रवादियों को भूमिगत कर दिया। बहुत सारे यूरोपीय राज्यों में क्रान्तिकारियों को राजतंत्रीय संस्थाओं का विरोध करने एवं स्वतंत्रता की प्रतिबद्धता का प्रशिक्षण देने और विचारों का प्रचार-प्रसार करने के लिए गुप्त संगठन उभर आए। ऐसा ही एक व्यक्ति था-इटली का क्रान्तिकारी ज्युसेपी मेत्सिनी। उसने 'यंग इटली' तथा 'यंग यूरोप' नामक दो संस्थाओं की स्थापना की। उसने एकीकृत इटली के गणराज्य के लिए एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

3. क्रान्तियों का युग : 1830-1848— फ्रांस में जुलाई, 1830 में क्रान्ति का सूत्रपात हुआ, जिसके फलस्वरूप वहाँ बूर्बो राजा की सत्ता को उखाड़कर एक संवैधानिक राजतन्त्र की स्थापना हुई। यूनान के स्वतंत्रता संग्राम ने पूरे यूरोप के शिक्षित अभिजात वर्ग में राष्ट्रीय भावनाओं का संचार किया। यह संग्राम 1821 में प्रारम्भ हो गया था। अन्त में 1832 की कुस्तुनतुनिया की संधि ने यूनान को एक स्वतन्त्र राष्ट्र की मान्यता दी।

3.1 रूमानी कल्पना और राष्ट्रीय भावना—राष्ट्र के विचार के निर्माण में संस्कृति ने एक अहम् भूमिका निभाई। कला, काव्य, कहानियों किस्सों और संगीत ने राष्ट्रवादी भावनाओं को गढ़ने और व्यक्त करने में सहयोग दिया। रूमानीवाद एक ऐसा सांस्कृतिक आंदोलन था जिसने तर्क-वितर्क और विज्ञान के स्थान पर भावनाओं, अन्तर्दृष्टि और रहस्यवादी भावनाओं पर जोर दिया तथा एक साझा सामूहिक विरासत की अनुभूति व एक साझा सांस्कृतिक अतीत को राष्ट्र का आधार बनाने पर बल दिया। भाषा ने भी राष्ट्रीय भावनाओं के विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा पोलिश भाषा रूसी प्रभुत्व के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी।

3.2 भूख, कठिनाइयाँ और जन विद्रोह—19वीं सदी के प्रारंभ में यूरोप में जनसंख्या में हुई भारी वृद्धि, नगरों में भीड़-भरी गरीब बस्तियों का बनना, इंग्लैंड से आयातित कपड़े से बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा, कृषकों का सामन्ती शुल्कों और जिम्मेदारियों के तले दबना आदि कठिनाइयाँ बढ़ीं। 1845 में सिलेसिया में बुनकरों ने ठेकेदारों के विरुद्ध विद्रोह किया तथा 1848 में व्यापक बेरोजगारी के कारण पेरिस के लोग सड़कों पर उतर आए और राष्ट्रीय सभा ने एक गणतंत्र की घोषणा करते हुए पुरुषों को वयस्क मताधिकार तथा काम के अधिकार की गारंटी दी। रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय कारखाने स्थापित किए गए।

3.3 1848 : उदारवादियों की क्रांति—फरवरी, 1848 में फ्रांस में पुनः क्रान्ति का सूत्रपात हुआ और वहाँ गणतन्त्र की स्थापना हुई। जर्मन इलाकों में भी 1848 में क्रान्तियाँ हुईं। फ्रेंकफर्ट की संसद ने एक जर्मन राष्ट्र के लिए एक संविधान का प्रारूप तैयार किया। जब निर्वाचित प्रतिनिधियों ने प्रशा के सम्राट फ्रेडरीख विल्हेम चतुर्थ को ताज पहनाने का प्रस्ताव किया, तो उसने उसे अस्वीकार कर निर्वाचित सभा के विरोधियों का साथ दिया। इस प्रकार राष्ट्रवादियों तथा उदारवादियों को असफलता का मुँह देखना पड़ा। हालाँकि रूढ़िवादी ताकतें 1848 में उदारवादी आन्दोलनों को दबा पाने में कामयाब हुईं, लेकिन वे पुरानी व्यवस्था बहाल नहीं कर पाईं।

4. जर्मनी और इटली का निर्माण—

4.1 जर्मनी का एकीकरण—1848 में मध्य वर्ग के जर्मन राष्ट्रवादी लोगों ने जर्मन महासंघ के विभिन्न इलाकों को जोड़कर एक निर्वाचित संसद द्वारा शासित राष्ट्र-राज्य बनाने का प्रयास किया था, लेकिन इस पहल के राजशाही और फौज की ताकत ने मिलकर दबा दिया। इसके पश्चात् जर्मनी के राष्ट्रवादियों ने प्रशा के नेतृत्व में जर्मनी के एकीकरण के लिए आन्दोलन शुरू किया। प्रशा के प्रधानमन्त्री ऑटो वॉन बिस्मार्क ने 'लौह और रक्त' की नीति अपनाई और सात वर्ष की अवधि में डेन्मार्क, आस्ट्रिया और फ्रांस को पराजित कर जर्मनी का एकीकरण पूरा किया। जनवरी, 1871 में नए जर्मन

साम्राज्य की घोषणा की गई तथा प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया। नए राज्य ने जर्मनी की मुद्रा, बैंकिंग और कानूनी तथा नागरिक व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण पर काफी जोर दिया जो शेष जर्मनी के लिए एक मॉडल बना।

4.2 इटली का एकीकरण—19वीं सदी के मध्य में इटली अपने एकीकरण से पूर्व सात राज्यों में विभाजित था। इटली के क्रान्तिकारी नेता ज्युसेपे मेत्सिनी ने इटली के एकीकरण के लिए 1830 के दशक में 'यंग इटली' नामक एक गुप्त संगठन की स्थापना की। उसने इटलीवासियों में राष्ट्रीयता की भावनाओं का प्रसार किया। सार्डीनिया-पीडमांट के प्रधानमन्त्री कावूर ने फ्रांस की सहायता से 1859 में आस्ट्रिया को पराजित किया। नियमित सैनिकों के अलावा ज्युसेपे गैरीबाल्डी के नेतृत्व में भारी संख्या में सशस्त्र स्वयंसेवकों ने इस युद्ध में हिस्सा लिया। 1860 में उसने अपने सशस्त्र स्वयंसेवकों को लेकर सिसली और नेपल्स पर आक्रमण किया और उन पर अधिकार कर लिया। 1861 में इमेनुएल द्वितीय को एकीकृत इटली का राजा घोषित किया गया।

4.3 ब्रिटेन की अजीब दास्तान—इंग्लैण्ड में 1688 ई. में एक क्रान्ति हुई जिसके फलस्वरूप इंग्लैण्ड की संसद ने राजतन्त्र की शक्ति छीन ली और इस संसद के माध्यम से एक राष्ट्र-राज्य का निर्माण हुआ जिसके केन्द्र में इंग्लैण्ड था। 1707 में इंग्लैण्ड और स्काटलैण्ड के बीच 'एक्ट ऑफ यूनियन' से 'यूनाइटेड किंग्डम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन' का गठन हुआ। इसके बाद ब्रिटिश संसद में आंग्ल सदस्यों का प्रभुत्व स्थापित हुआ। 1801 में आयरलैण्ड को बलपूर्वक यूनाइटेड किंग्डम में सम्मिलित कर लिया गया। एक नवीन 'ब्रितानी राष्ट्र' का निर्माण किया गया जिस पर हावी आंग्ल-संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया गया।

5. राष्ट्र की दृश्य-कल्पना—18वीं तथा 19वीं शताब्दी में कलाकारों ने एक देश को इस प्रकार चित्रित किया जैसे वह कोई व्यक्ति हो। उस समय राष्ट्रों को नारी भेष में प्रस्तुत किया जाता था। फ्रांस में मारीआन नामक महिला को राष्ट्र के रूपक के रूप में चित्रित किया गया। उसके चिह्न भी स्वतंत्रता और गणतंत्र के थे—लाल टोपी, तिरंगा और कलंगी। इसी प्रकार जर्मेनिया जर्मन राष्ट्र का रूपक बन गई। जर्मेनिया बलूत वृक्ष के पत्तों का मुकुट पहनती है क्योंकि जर्मन बलूत वीरता का प्रतीक है।

6. राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद—उन्नीसवीं शताब्दी की अन्तिम चौथाई तक राष्ट्रवाद सीमित लक्ष्यों वाला संकीर्ण सिद्धान्त बन गया था। 1871 के बाद यूरोप में गंभीर राष्ट्रवादी तनाव का स्रोत बाल्कन क्षेत्र था। इस क्षेत्र में भौगोलिक और जातीय भिन्नता थी। बाल्कन क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था। ऑटोमन साम्राज्य के विघटन तथा बाल्कन क्षेत्र में राष्ट्रवाद की प्रबलता के कारण बाल्कन क्षेत्र की अनेक जातियाँ तुर्की-साम्राज्य के चंगुल से स्वतन्त्र होने के लिए संघर्ष करने लगीं। अनेक यूरोपीय राष्ट्रीयताओं ने ऑटोमन-साम्राज्य के चंगुल से निकल कर स्वतन्त्रता की घोषणा कर दी।

दूसरी ओर बाल्कन-राज्य एक-दूसरे से घृणा करते थे। इसके अतिरिक्त बाल्कन क्षेत्र में बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्द्धा शुरू हो गई। इसके फलस्वरूप बाल्कन क्षेत्र में कई युद्ध हुए और अन्ततः प्रथम विश्व-युद्ध हुआ।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ एवं घटनाएँ

क्र. सं.	तिथि	घटनाएँ
1.	1688 ई.	आंग्ल संसद ने राजतंत्र से ताकत छीन ली एवं एक राष्ट्र-राज्य का निर्माण हुआ।
2.	1707 ई.	इंग्लैण्ड और स्कॉटलैण्ड के बीच एक्ट ऑफ यूनियन (1707) से यूनाइटेड किंग्डम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का गठन।
3.	1789 ई.	फ्रांस की क्रान्ति।
4.	1797 ई.	नेपोलियन का इटली पर हमला; नेपोलियाई युद्धों की शुरुआत।
5.	1801 ई.	आयरलैंड को बलपूर्वक यूनाइटेड किंग्डम में शामिल किया गया।
6.	1804 ई.	फ्रांस में नागरिक संहिता (नेपोलियन संहिता) का निर्माण।
7.	1814-1815 ई.	नेपोलियन का पतन, वियना शांति संधि।
8.	1821 ई.	यूनानी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष प्रारंभ।
9.	1807 ई.	इटली का क्रांतिकारी ज्युसेपी मेत्सिनी का जन्म।

10.	1830 ई.	फ्रांस में जुलाई विद्रोह।
11.	1831 ई.	रूस के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह।
12.	1832 ई.	कुस्तुनतुनिया की संधि ने यूनान को एक स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता दी।
13.	1833 ई.	बर्न में यंग यूरोप की स्थापना।
14.	1834 ई.	प्रशा की पहल पर एक शुल्क संघ जॉलवेराइन की स्थापना।
15.	1848 ई.	फ्रांस में क्रान्ति, आर्थिक परेशानियों से ग्रस्त कारीगरों, औद्योगिक मजदूरों और किसानों की बगावत, मध्य वर्ग संविधान और प्रतिनिध्यात्मक सरकार के गठन की माँग, इतालवी, जर्मन, मैंग्यार, पोलिश, चेक आदि राष्ट्र-राज्यों की माँग की।
16.	1859-1870 ई.	इटली का एकीकरण।
17.	1861 ई.	इमेनुएल द्वितीय एकीकृत इटली का राजा घोषित।
18.	1866-1871 ई.	जर्मनी का एकीकरण।
19.	1871 ई.	वर्साय के हुए एक समारोह में प्रशा के राजा विलियम प्रथम को जर्मनी का सम्राट घोषित किया गया।
20.	1905 ई.	हैप्सबर्ग और ऑटोमन साम्राज्यों में स्लाव राष्ट्रवाद मजबूत।
21.	1914 ई.	प्रथम विश्वयुद्ध प्रारंभ।

पाठगत प्रश्न

गतिविधि—पृष्ठ 3

प्रश्न—आपकी राय में (पाठ्यपुस्तक का) चित्र-1 किस प्रकार एक कल्पनादर्शी दृष्टि को प्रतिबिम्बित करता है?

उत्तर—यह चित्र सन् 1848 में एक फ्रांसीसी कलाकार फ्रेड्रिक सॉरयू द्वारा निर्मित चित्र है। इसमें उसने अपने सपनों के एक संसार की कल्पना की जो विश्वव्यापी 'जनतान्त्रिक और सामाजिक गणतन्त्रों' से मिलकर बना था। इस चित्र में यूरोप और अमेरिका के लोग दिखाए गए हैं जो प्रजातांत्रिक एवं सामाजिक गणतंत्र बनाने की दिशा में अग्रसर होंगे। इसमें सभी लोग एक लम्बी पंक्ति में स्वतन्त्रता की मूर्ति की वन्दना करते हुए दिखाए गए हैं। चित्रकार के कल्पनादर्श में विश्व के लोग अलग राष्ट्रों के समूहों में बँटे हुए हैं जिनकी पहचान उनके वस्त्रों तथा राष्ट्रीय वेशभूषा से होती है। ऊपर स्वर्ग से ईसा मसीह, संत और फरिश्ते इस दृश्य पर अपनी नजरें जमाए हुए हैं। यह चित्र दुनिया के राष्ट्रों के बीच भाईचारे का प्रतीक है। इस प्रकार यह चित्र चित्रकार की कल्पनादर्शी दृष्टि को प्रतिबिंबित करता है। इस कल्पनादर्शी स्थिति के साकार होने की संभावना अत्यन्त कम है।

चर्चा करें—पृष्ठ 4

प्रश्न—रेनन की समझ के अनुसार एक राष्ट्र की विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण दें। उसके मतानुसार राष्ट्र क्यों महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर—रेनन की समझ के अनुसार एक राष्ट्र की निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं—

(1) एक राष्ट्र लम्बे प्रयासों, त्याग और निष्ठा का चरम बिन्दु होता है।

(2) इसका आधार वीरता से परिपूर्ण अतीत, महापुरुषों के नाम तथा प्राचीन गौरव होते हैं।

(3) एक जन-समूह के राष्ट्र होने की आवश्यक शर्तें हैं—अतीत में समान गौरव का होना, वर्तमान में एक समान इच्छा, संकल्प का होना, साथ मिलकर महान कार्य करना और भविष्य में इसी प्रकार के कार्य करने की इच्छा रखना।

(4) राष्ट्र एक बड़ी और व्यापक एकता है। उसका अस्तित्व प्रतिदिन होने वाला जनमत संग्रह है।

(5) राष्ट्र की किसी देश के विलय या उस पर उसकी इच्छा के विरुद्ध आधिपत्य स्थापित होने में कोई रुचि नहीं होती।

(6) यह एक सामाजिक पूँजी है जिस पर एक राष्ट्रीय विचार आधारित किया जाता है।

(7) प्रांत राष्ट्र के निवासी हैं, अगर सलाह लिए जाने का किसी का अधिकार है, तो वह निवासी ही है।